‘खुद को जानें’ विषय पर कार्यशाला

दिनांक : 18 अगस्त 2022

महाविद्यालयीन छात्र उम्र के जिस पड़ाव पर हैं, वहाँ उनके पास अनेक चुनौतियाँ हैं। मंजिल प्राप्त नहीं होती, आशातीत सफलता नहीं मिलती, अभिभावक की उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाते, जीवन में निराश हो जाते हैं, प्रेम के रास्ते पर भटक जाते हैं, विश्वासपात्र मित्रों से भी धोखा मिलता है, कुंठा का शिकार हो जाते हैं, आत्मग्लानि से आत्मघाती कदम उठा लेते हैं, मानसिक अवसाद हो जाता है, अध्ययन में सुधार नहीं हो पाता आदि अनेक मुद्दों पर जिज्ञासा को शांत करने ‘‘खुद को जानें’’ विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में दिनांक 18 अगस्त 2022 को किया गया। विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ0 रमेश टण्डन के संयोजन एवं अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में उत्तराखण्ड से मनोविज्ञान की आचार्या व इतिहास की गोल्ड मेडलिस्ट सुश्री उज्जवला गोसाईं ने छात्रों के जीवन एवं अध्ययन से संबंधित सार्थक और जीवंत पहलुओं पर विस्तार से चर्चा कर छात्रों की शंकाओं का समाधान किया। हिन्दी विभाग के प्रो0 डॉ0 आर के टण्डन ने अध्यक्षीय भाषण के रूप में, प्रो0 जयराम कुर्रे ने मंच संचालन करते हुए एवं डॉ0 आकांक्षा मिश्रा ने आभार व्यक्त करते हुए विषयान्तर्गत छात्रों को सारगर्भित बातें बताईं।

आई क्यू ए सी सदस्य सुश्री प्रियंका पटैल, स्नातकोत्तर हिन्दी साहित्य परिषद की अध्यक्ष सोनिया चौहान, उपाध्यक्ष अनिल, सचिव छाया राठौर, सह सचिव राजेश्वरी, सदस्य मोंगरा राठिया, दुर्गा पटैल, रूख्मणी पटेल, टिकेश टण्डन, पिंकी साहू, छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य परिषद की अध्यक्ष शारदा पटैल, उपाध्यक्ष टिवंकल वैष्णव, सचिव मंजूलता, सह सचिव गीता चन्द्रा, सदस्य कीर्तन अजय, निशा चंद्रा, अनिषा सहित रेशमा चौहान, विवेक कुमार आदि अनेक छात्रों ने इस कार्यशाला का लाभ उठाया।

M.G.DEV.ARTS AND SCIENCE COLLEGE KHARSIA
GPS Map Camera
Kharsia, Chhattisgarh, India
X4H6+GWW, Thakurdiya, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India
Lat 21.978362°
Long 83.11213°
18/08/22 03:10 PM

GPS Map Camera
MG Gov
Science
Google
Kharsia, Chhattisgarh, India
X4H6+GWW, Thakurdiya, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India
Lat 21.978857°
Long 83.112431°
18/08/22 02:07 PM

E KHARSIA
ARH
GPS Map Camera
MG Go
Scienc
Google
Kharsia, Chhattisgarh, India
X4H6+GWW, Thakurdiya, Kharsia,
Chhattisgarh 496661, India
Lat 21.978384°
Long 83.112365°
18/08/22 01:53 PM

छोटे नन्हे मुन्ने बच्चों ने पर्यावरण छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुवात की गई। जल...., और अन्य विभिन्न गाना के धुन में

उत्तराखंड की उज्जवला ने खुद को जानें विषय पर व्याख्यान दिया

अमृत संदेश । खरसिया

नगर के शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में समय समय पर संगोष्ठी आयोजित किया जाता है जिसमे देश भर के प्रसिद्ध व्याख्यानों द्वारा व्याख्यान दिया जाता है। महाविद्यालयीन छात्र उम्र के जिस पड़ाव पर हैं, वहाँ उनके पास अनेक चुनौतियाँ हैं। मंजिल प्राप्त नहीं होती, आशातीत सफलता नहीं मिलती, अभिभावक की उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाते, जीवन में निराश हो जाते हैं, प्रेम के रास्ते पर भटक जाते हैं, विश्वासपात्र मित्रों से भी धोखा मिलता है, कुंठा का शिकार हो जाते हैं, आत्मग्लानि में आत्मघाती कदम उठा लेते हैं, मानसिक अवसाद हो जाता है, अध्ययन में सुधार नहीं हो पाता आदि अनेक मुद्दों पर जिज्ञासा को शांत करने खुद को जानें विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में दिनांक 18 अगस्त को किया गया जिसमे आईक्यूएसी सदस्या प्रियंका पटैल की उपस्थिति रही। विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ. रमेश टण्डन के संयोजन एवं अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में उत्तराखंड से मनोविज्ञान की आचार्या व इतिहास की गोल्ड मेडलिस्ट सुश्री उज्जवला गोसाईं ने छात्रों के जीवन एवं अध्ययन से संबंधित सार्थक और जीवंत पहलुओं पर विस्तार से चर्चा कर छात्रों की शंकाओं का समाधान किया।

जिले में

कोरि
के पावन
का शुभ
वैकुण्ठपु
का लोक
कृष्ण क
अधिकार
दुदावत,
जैनी प्रेम
अधिकार
और एक
आम, गं
व्यापक
एवं वृक्षो
द्वारा कृष

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Raigarh - 20 Aug 2022 - 20rag03

खुद को जानें विषय पर खरसिया महाविद्यालय में हुआ एक दिवसीय कार्यशाला

नवभारत रिपोर्टर।खरसिया। मानसिक अवसाद से गुजरने वाले महाविद्यालयीन छात्र छात्राओं के लिये खुद को जानें विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया में किया गया जहां हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ . रमेश टण्डन संयोजन एवं अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में उत्तराखंड से मनोविज्ञान की आचार्या व इतिहास की गोल्ड मेडलिस्ट सुश्री उज्जवला गोसाईं ने छात्रों के जीवन एवं अध्ययन से संबंधित सार्थक और जीवंत पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की उन्होनें महाविदयालय के छात्र छात्राओं से कहा कि वह उम्र के जिस पड़ाव पर हैं वहां उनके पास अनेक चुनौतियाँ हैं । मंजिल

कार्यशाला में उपस्थित छात्र-छात्राएं।

प्राप्त नहीं होती, आशातीत सफलता नहीं मिलती, अभिभावक की उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाते, जीवन में निराश हो जाते हैं, प्रेम के रास्ते पर भटक जाते हैं, विश्वासपात्र मित्रों से भी धोखा मिलता है, कुंठा का शिकार हो जाते हैं, आत्मग्लानि से आत्मघाती कदम उठा लेते हैं ऐसे मानसिक अवसाद की शंकाओं का समाधान किया । हिन्दी विभाग के प्रोफेसर डॉ. आर के टण्डन ने भाषण के रूप में संबोधित किया तथा प्रो. जगराम कुर्रे ने मंच संचालन करते हुए एवं डॉ आकांक्षा मिश्रा ने आभार व्यक्त करते हुए विषयान्तर्गत छात्रों को सारगर्भित बातें बताईं । आई क्यू ए सी सदस्य सुश्री प्रियंका पटैल, स्नातकोत्तर हिन्दी साहित्य परिषद की अध्यक्ष सोनिया चैहान व उपाध्यक्ष अनिल, सचिव छाया राठौर, सह सचिव राजेश्वरी, मोंगरा राठिया सहित दुर्गा पटैल, रूक्मणी पटेल समेत अन्य मौजूद रहे।